

82/2001

20/04

फावली पेरा इंडी वकील वादी अनुपरिव्यत है। कादी  
गण स्वयंभी अनुपरिव्यत है। ~~कादी~~ इनकी ओर से  
कोई अन्य वकील भी उपरिव्यत नहीं है। बार-बार  
भावाजे लागवाई गई, परन्तु न्यायालय समय तक  
श्रेई भी उपरिव्यत नहीं हुये। अतः राजस्व वाद फव  
अदम हाजरी अदम पैरवी में खारिज किया जाता है।  
फावली फंसल शुमार हो। नम्बर से कम होकर  
दाखिल रहफतर हो।

SPO, BHINA  
उपखण्ड अधिकारी  
भिनाय (केकड़ी)